स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कर्नल डॉ. आर. के. चतुर्वेदी एवं डॉ. संजय माहेश्वरी

**दिनांक : 27 अगस्त, 2024** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में युग पुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला में मंगलवार को कर्नल डॉ. आर. के. चतुर्वेदी (पूर्व निदेशक, जेएसएस अस्पताल, मैसूर) एवं डॉ. संजय माहेश्वरी (सीईओ इंनेर्वेशन रिसर्च एंड इंटरनेशनल रिलेशंस एम.जी.वाई. मेडिकल यूनिवर्सिटी) ने नर्सिंग के अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर नर्सिंग के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया ।

डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा की नर्सिंग का इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। नर्सिंग का आधुनिक स्वरूप फ्लोरेंस नाइटिंगेल के काम से विकसित हुआ, जिन्होंने 1850 के दशक में क्राइमियन युद्ध के दौरान नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक पेशेवर मान्यता दिलाई और इसे वैज्ञानिक और अनुशासित दृष्टिकोण से देखा गया। नर्सिंग पेशेवर क्षेत्र है जो समाज में स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नर्सिंग नवाचार के माध्यम से इस पेशे में रोजगार के अपार संभावनाएं हैं। आज के समय में, नर्सिंग एक व्यापक और विविध पेशेवर क्षेत्र बन गया है। इसमें बुनियादी देखभाल से लेकर विशेष क्षेत्रों जैसे कि प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और पेडियाट्रिक्स में नर्सों की जिम्मेदारियों में रोगियों की देखभाल, निदान, चिकित्सा प्रक्रियाओं के प्रबंधन से अच्छे परिणाम आ रहे हैं।

नर्सिंग के भविष्य पर डॉ. संजय माहेश्वरी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए कहा कि भविष्य में नर्सिंग की दिशा में कई संभावनाएँ और चुनौतियाँ हैं। चिकित्सा प्रौद्योगिकी के विकास के साथ, नर्सों को अधिक उन्नत तकनीकी कौशल की आवश्यकता होगी। रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ; ।प्द्ध और मशीन लर्निंग जैसे उन्नत तकनीकों से नर्सेज स्वयं को तैयार रखना होगा।

नर्सिंग में नवाचारों से आधुनिक शिक्षा और चिकित्सा सेवा को समृद्ध किया जा सकता है। भविष्य में नर्सिंग के क्षेत्र में रोबोटिक्स तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। नर्सिंग के विद्यार्थी रोबोट के साथ संतुलन तालमेल बैठाकर कार्य करना भी बड़ी चुनौती होगी। अंत में उन्होंने चार्ल्स प्लम्प की कहानी पर चर्चा की और नर्सिंग संकाय और छात्रों को सफल होने के लिए कडी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

व्याख्यान श्रृंखला में कर्नल डॉ. आर. के. चतुर्वेदी ने नर्सेज को मूलमंत्र देते हुए कहा की नर्सों की जिम्मेदारी धैर्य है, दूसरी कोमल स्पर्श है जो चिकित्सीय हो सकता है और तीसरा है लक्ष्य और चौथा है सुखद मुस्कान के साथ कार्य को पूर्ण करने का प्रयास करें तो चुनौती कार्य सरल हो जायेगा। चिकित्सा सेवा में नर्सेज मां का रूप है। जिस तरह मां अपने बच्चे के प्रति समर्पित रहती है उसी तरह नर्सेज धाय मां की भाती रोगी की सेवा करें।

नर्सिंग प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा ने अतिथिगण को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पैरामेडिकल प्राचार्य डॉ. रोहित श्रीवास्तव, फार्मेसी प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, नर्सिंग से श्रीमती प्रिंसी जी, श्रीमती रजीथा आर.एम. श्रीमती ममता रावत, श्रीमती रिंकी सिंह, सुश्री स्वेता अल्बर्ट, सुश्री सोसन डेन, श्रीमती संगीता, श्री अक्षय एडवर्ड, श्रीमती सुमिता त्रिपाठी, सुश्री प्रिया सिंह, सुश्री कविता साहनी, सुश्री नैंशी मिश्रा, सुश्री ममता चौरसिया, सुश्री शांति कुमारी, सुश्री निधि मिश्रा, सुश्री काजल मौर्य, सुश्री पूनम गोंड, सुश्री शक्ति जायसवाल, सुश्री निधि रायए सुश्री मानसी पांडे, सुश्री सुमन यादव, श्री केशव अधिकारी, सुश्री श्रद्धा, सुश्री प्राची यादव, डॉ. अभिनव सिंह सहित सभी शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहें।